दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 203
मुरादाबाद
(Saturday)
14 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारः 17 खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया सम्मानित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए। इस दौरान 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें प्रियंक गोस्वामी और नरेंद्र का नाम शामिल है। 2014 के बाद पहली बार किसी को भी मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए। इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश के सर्वोच्च खेल सम्मान %मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार% के लिए नहीं चुना गया है और



2014 के बाद यह पहला मौका है जब खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया है। करीब 36 मिनट तक चले इस समारोह में केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।चयन समिति की सिफारिशों के पुनर्मूल्यांकन के बाद इस बार कुल 17 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कारों की घोषणा में हुई भारी देरी की कुछ एथलीटों ने आलोचना भी की थी, जिसे मंत्रालय ने पुरस्कारों की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक बताया था। पुरस्कार विजेताओं में हाल ही में विश्व कप जीतने वाली शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, 2024 के शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे विदित गुजराती, डेकाथलीट तेजस्विन शंकर और महिलाओं की युगल बैडमिंटन जोड़ी गायत्री गोपीचंद व त्रीसा जॉली का नाम शामिल हैं।समारोह में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में दिव्या देशमुख, विदित गुजराती, राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल और युवा बधिर निशानेबाज धनुष श्रीकांत शामिल थे। पैरा-स्पोर्ट्स श्रेणी में इस बार केवल दो खिलाड़ियों पैरा क्लब थ्रोअर एकता भ्यान और निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल को यह सम्मान मिला। इसके अलावा, वर्ष 1962 के एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य आई. अरुमनायगम को %लाइफटाइम अचिवमेंट% श्रेणी में अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया। कोचिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया गया, जिनमें महिला राष्ट्रीय शिविर से जुड़े मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव प्रमुख हैं। इसके साथ ही पुरुषों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी टीम के कोच धर्मेंद्र यादव और कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को %लाइफटाइम अचिवमेंट% श्रेणी में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मालूम हो कि अर्जुन पुरस्कार विजेता को 15 लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है। पारंपरिक रूप से ये पुरस्कार महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती यानी 29 अगस्त को दिए जाते थे, लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद से इसकी तारीख में निरंतरता नहीं रही है।

किसे मिला राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार? इसके अलावा, पुणे स्थित %आर्मी पैरालंपिक नोड% को %राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार% दिया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया। यह पुरस्कार उन कॉरपोरेट संस्थाओं या गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को दिया जाता है, जिन्होंने खेलों को बढ़ावा देने और उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। %राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार% उन कॉरपोरेट संस्थाओं (सार्वजनिक/निजी) और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को दिया जाता है, जिन्होंने खेलों को बढ़ावा देने और उनके विकास में अहम भूमिका निभाई हो।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश, जस्टिस (रिटायर्ड) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर खेल मंत्रालय ने 18 अगस्त को 2025 के पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची की घोषणा की थी। इस साल इन पुरस्कारों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदनों पर जस्टिस (रिटायर्ड) मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने विचार किया। इस समिति में जाने-माने खिलाड़ी, खेल पत्रकारिता का अनुभव रखने वाले लोग और खेल प्रशासक शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

विदर्भ गौरव सम्मान समारोह में बोले मोहन भागवत- बिना उम्मीद के करें सेवा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि करुणा, संवेदनशीलता और भाईचारा ही मानवता की नींव हैं। उन्होंने लोगों से बिना किसी स्वार्थ या अपेक्षा के जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की। भागवत के मुताबिक, आजीविका कमाना काम का परिणाम है, जबकि समाज की सेवा ही उसका असली उद्देश्य होना चाहिए।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि करुणा और संवेदनशीलता मानवता और समाज की नींव हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को बदले में कुछ भी पाने की उम्मीद किए बिना दूसरों की सेवा करनी चाहिए। मोहन भागवत ने क्या कहा? डॉ. संजय पैठणकर को 'विदर्भ गौरव' पुरस्कार देने के बाद अपने संबोधन में भागवत ने कहा, %सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी है। हम केवल अपनी आजीविका कमाने के लिए काम नहीं करते, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि दुनिया सुचारू रूप से चलती रहे।

संवेदनशीलता के महत्व पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि मुसीबत में फंसे किसी व्यक्ति की मदद करना मानवता का एक स्वाभाविक भाव है। चाहे उससे आपका व्यक्तिगत संबंध हो या न हो। उन्होंने कहा,%चाहे किसी व्यक्ति से हमारा कोई संबंध हो या न हो, अगर कहीं कोई कष्ट में है, तो हमें उस कष्ट को कम करने के लिए जो कुछ भी बन पड़े, वह करना चाहिए।

अखिलेश का सीएम योगी पर तंज, बोले- उन्हें पहले कैसे पता चल गया कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटे हैं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री को पहले से कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख वोट कट गए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्र) को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी के सीएम को पहले से ही पता चल जाता है कि वोट कैसे कट जाता है।अखिलेश यादव ने कहा, मैं इसलिए ऐसे बोल रहा हूं कि उनको कैसे जानकारी हो गई कि एक करोड़ 27 लाख वोट कट गए।अखिलेश यादव ने कहा कि अगर वास्तव में 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम गायब हैं तो भाजपा की यह बैठक इसी वजह से हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा उन वोटों को लेकर रणनीति बना रही है, जो लोगों के दूसरे स्थानों पर चले जाने या फर्जी नाम दर्ज होने के कारण मतदाता सूची से हटाए गए हैं।अखिलेश ने दावा किया कि भाजपा मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल



प्रदेश और उत्तराखंड समेत दूसरे राज्यों से लोगों को लाकर मतदाता बनवाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए ऐसे लोगों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है, जिनका नाम पहले से पंजीकृत नहीं है। सपा अध्यक्ष ने भाजपा की बैठक और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर पार्टी की रणनीति पर सवाल उठाए।सपा अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर चंद्रशेखर-ओवैसी गठबंधन पर कहा था कि पीडीए समाज की आवाज उठाने वाले हर दल का करेंगे सहयोग; बोले- मोर्चों से लोकतंत्र मजबूत होता है, लेकिन मंशा समाज की भलाई की होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत किया है।सामाजिक स्तर पर परिवर्तन जरूरी है, लेकिन वास्तविक सफलता तभी मिलेगी, जब राजनीतिक परिवर्तन का मोर्चा भी सक्रिय होगा। तीन प्रतिशत वोटों का नुकसान हो सकता है। पीडीए समाज के हित में साम्प्रदायिक ताकतों से लड़ने और उसकी आवाज उठाने वाले दलों की ईमानदार आवाज जनता तक पहुंचाने में सपा सहयोग करेगी। उनके मुताबिक, इससे उन लोगों के सामने भी एक विकल्प खुलेगा, जो भावनात्मक नारों और बहकावे में आकर साम्प्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते हैं।

कनेक्टिविटी से बचेगा समय और पैसाः पीएम मोदी ने बंगलूरू पिंक लाइन का किया उद्घाटन



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत अन्य नेताओं के साथ सफर किया। उन्होंने यूपीआई से टिकट भी खरीदा। 21.25 किमी लंबी इस लाइन में 18 स्टेशन हैं। इसके साथ बंगलूरू का मेट्रो नेटवर्क 103.6 किमी हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बंगलूरू मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ सफर किया। साथ में गवर्नर सुधा यादव, सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री के बी गौड़ा भी मौजूद रहे। ट्रेन में चढ़ने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने काउंटर पर यूपीआई का इस्तेमाल करके टिकट भी खरीदा। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि मेट्रो कनेक्टिविटी से पैसा और समय दोनों की बचत होती है। नम्मा मेट्रो का नया सेक्शन 14 नवंबर को सुबह 6 बजे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने से बंगलूरू का चालू मेट्रो नेटवर्क 103.6 द्यद्व का हो जाएगा, जिससे यह दिल्ली के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन जाएगा।15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज का दिन बंगलूरू और कर्नाटक की विकास यात्रा को एक नई गति देने वाला है। आज यहां से कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की जा रही है। मेट्रो और रेलवे से जुड़ी पहलों से लेकर ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित कार्यों तक, ये सभी परियोजनाएं कर्नाटक के बुनियादी ढांचे में नई जान फूंक देंगी। पिछले एक दशक में उठाए गए कदमों ने देश को मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान पैदा हुए संकट से उबरने में मदद की। राज्य की क्यों की तारीफ? उन्होंने आगे कहा, बंगलूरू भारत की सिलिकॉन वैली है। देश के आईटी निर्यात में इसका योगदान एक-तिहाई से भी अधिक है। यह शहर भारत में नवाचार और आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन है। इसलिए, बंगलूरू क्षेत्र का तेजी से विकास और आधुनिक सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विस्तार केंद्र सरकार की मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी सोच के साथ, सरकार नम्मा मेट्रो के विस्तार में सहयोग दे रही है। नम्मा मेट्रो को लेकर क्या कहा? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, नम्मा मेट्रो की सफलता सिर्फ एक परियोजना तक सीमित नहीं है। यह ईज ऑफ लिविंग (जीवन को आसान बनाने) और ईज ऑफ ट्रैवल (यात्रा को आसान बनाने) के प्रति देश के नए दृष्टिकोण को दर्शाती है। साथ ही मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को भी दिखाती है। आज, भारतीय रेलवे औपनिवेशिक युग की पुरानी सोच से आगे बढ़कर एक नई विरासत का निर्माण कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि, पिछले 10-12 वर्षों में, भारत का रेल बजट कई गुना बढ़ गया है। कुछ दिन पहले कर्नाटक को अपनी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली। आज इसे एक ऐसी वंदे भारत ट्रेन मिली है जो राज्य को गोवा से जोड़ती है। यह ट्रेन बंगलूरू और कर्नाटक के पूरे तटीय मार्ग के लोगों को यात्रा का एक नया सेमी-हाई-स्पीड अनुभव देगी। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 300 गीगावाट के पार पहुंच गई है।

परिसीमन पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी?: प्रियंका गांधी बोलीं- विपक्ष को विश्वास में नहीं ले रही सरकार

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार पर असहमति की आवाजों को दबाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया है। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की केंद्र सरकार की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को कोई जानकारी नहीं दी गई है। चार दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचीं प्रियंका- प्रियंका



गांधी बुधवार से शुरू हुए अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही थीं। इस दौरान वह पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रही थीं। पत्रकारों ने उनसे पूछा था कि क्या सरकार परिसीमन विधेयक पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना बना रही है।इस सवाल पर प्रियंका गांधी ने कहा, उन्होंने हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इसलिए, अगर वे ऐसी कोई योजना बना रहे हैं, तो मुझे नहीं पता। फिलहाल, मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा, जो कोई भी अपनी बात रखना चाहता है या खुद को व्यक्त करना चाहता है, उसे दबा दिया जाता है और चुप करा दिया जाता है।

राहुल गांधी ने किया फोन टैपिंग का दावाः कहा- मेरे सभी आरोपों के सबूत मोबाइल में

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनका फोन टैप कराने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राहुल ने दावा किया कि उनके फोन में इस आरोप से जुड़े सबूत मौजूद हैं और प्रधानमंत्री को भी इसकी जानकारी है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा आरोप लगाते हुए फोन टैपिंग का दावा किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर



कहा कि पीएम मोदी मेरा फोन टैप करा रहे हैं। इस आरोप के साथ ही उन्होंने एक बार फिर से प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती दी है। भारतीय युवा कांग्रेस के एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में राहुल गांधी कहते नजर आते हैं, %%इसका सबूत यहां है। मेरे इस फोन में है। प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी है, क्योंकि वह मेरा फोन टैप करवाते हैं। जिस दिन वह आमने-सामने की बहस के लिए आएंगे, उस दिन सभी को पता चल जाएगा कि विदेशी ताकतों के नियंत्रण में कौन है, देशविरोधी कौन है और वह कब से देशविरोधी गतिविधियों में शामिल है।राहुल गांधी ने आगे दावा किया कि इसके अलावा भी कई ऐसी जानकारियां हैं, जिनके बारे में मुझे पता है और जो मेरे फोन में मौजूद हैं।

संपादकीय Editorial

Social harmony is bleeding.

It's not that the chains of law have broken, but that we are now afraid of human settlements. If we sacrifice the safety of brotherhood even during a festival like Diwali, how can we live in normal circumstances? The sad part is that Diwali lamps have been cursed in Badoli, Una. If mourning cries out amidst the echo of firecrackers, then what lamps are we using to dispel the darkness? If two families are upset with their shadows on Diwali night, we will surely drench such a mirror of social behavior with blood, and that is what happened when a man ran over a husband and wife with his vehicle for the smell of firecrackers. If our social harmony can be bloodied in a gruesome scene in Una, then such conflict is challenging every street and every home. Previously, fights and quarrels never reached such a point where people would forget the festivities or become so fearless of the law that two lives could be instantly wiped out by a direct vehicle collision. We are witnessing a demonstration of the state's economic progress in festivals and daily lifestyles, where wall clashes with wall, vehicle with vehicle, election with election, and business with business. If, while seeking prosperity from Diwali, we start preying on each other with our wealth, crime will lurk beneath every heap of dominance. Ironically, Diwali celebrations are now engulfing the environment. In every town and city of Himachal, the post-Diwali scene is littered with firecracker waste strewn across homes, streets, and roads.

If the AQI in Baddi is reaching 206, this phenomenon will only grow worse in the future. Air pollution figures are scarring almost every mountain town. If we now ask the environment about heritage, we realize that civil society itself has become the enemy of its own surroundings. If a single Diwali night burns 35 houses, we are forgetting all decorum under the guise of firecrackers. If the air quality of Dharamshala is deteriorating even more than Una and Paonta Sahib, this Diwali is causing trouble by pushing Shimla's AQI to 191. Earlier, we celebrated Diwali, now we play it out. Every hand held a firecracker, and the noise of which spark won. Whose spark soared higher in the air, whose pomegranate carried a balloon of light farther aloft. The auspicious sign of bursting firecrackers is now a declaration of ear-splitting. If the entire Diwali is a declaration of ostentation, then we are changing our appearance. This very appearance makes Diwali night sombre in Una, so where is the community there? What kind of ignorance poisoned the sweetness of Diwali there? Who closed the windows and doors that used to light Diwali? If the bloody conflict in Badoli is the source of the fireworks, then we should understand the reasons behind the damage to festivals. If the wealthy are now the powerful, or if money is considered a weapon, then anyone can be crushed under vehicles like the Thar. Society used to defuse any conflict, but now the entire landscape is under threat. Gradually, we are becoming so large and capable that even small disputes can escalate into murder. If death becomes the culmination of anger in the face of a society that sees conflicts unfolding between vehicles on the roads, people roaring in parking lots, and wanders in the streets of arrogance, who will show mercy?

Hooliganism in the name of saving democracy: Eknath Shinde

In a democracy, the mandate is supreme. If the opposition, instead of accepting the mandate, is engaging in politics to create instability in the country, it must be responded to firmly. The opposition's 'Save Democracy' movement is only spreading anarchy. The Modi government has achieved significant success in reducing poverty. The opposition's allegations of EVM and vote rigging are baseless. The INDIAN, which has been creating chaos and making false accusations in the name of a movement for the past few months, held a rally in Delhi earlier this month in the name of protecting democracy. A fundamental question arises in my mind: why is the same Congress party, which imposed the Emergency in 1975 and strangled democracy, so concerned about protecting democracy today? Do those who spread chaos on the streets of Delhi in the name of a movement, speak of democracy?

The opposition has complete freedom to hold rallies, protest, and criticize the government. No one stops the opposition from spreading "fake narratives" while speaking to the media. No one is forcibly imprisoning their leaders. Despite this, they continue to hypocritically claim that democracy is in danger. Questioning the credibility of constitutional institutions like the Supreme Court and the Election Commission and attempting to pressure the judiciary is tantamount to challenging the fundamental values ??of democracy. In a democracy, the public mandate is supreme. Instead of accepting it, politics aimed at creating instability in the country must be firmly countered.

Two news stories from last week were particularly noteworthy. The results of the Legislative Council elections held across the country were announced. The NDA achieved resounding success in these elections. The Congress and other smaller opposition parties have been demanding the re-election of the Legislative Council through ballot papers for the past several months. Despite the Legislative Council elections being conducted through ballot papers, the Congress won only one seat in the entire country and, as usual, suffered a crushing defeat. Even in Karnataka, where the Congress is in power, educated voters swept them away.

The second significant news item concerned the state of poverty in the country. The World Bank released its report, "Poverty and Equity Brief," which stated that the number of poor people in India has declined significantly over the past fifteen years. According to the report, the proportion of poor people in India's total population, which was 27.1 percent in 2011, has now fallen to 2.6 percent. The report also states that India's rate of poverty reduction is among the fastest in the world. This achievement during Prime Minister Narendra Modi's tenure is particularly noteworthy against the backdrop of the Congress party's hollow performance, which for six decades after independence, only raised the slogan of "Garibi Hatao" (remove poverty). Congress always considered the poor merely its vote bank. It feared that if poverty were eradicated, its political existence would also end. Congress's policy has been to keep the once-fed masses in the dark by showing them the dream of bread; this policy remains unchanged even today.

Prime Minister Narendra Modi has taken India's bright image to new heights across the world in the last 13 years. It has given a new direction to progress and development for a country deeply mired in poverty, political corruption, and nepotism. Meanwhile, Rahul Gandhi is still confined to taking to the streets, damaging public property, and engaging with fashionable agitators, leftist ideologies, and those with distorted mindsets. This is why voters across the country are still rejecting the Congress. Instead of looking at the towering mountains of their own defeat, they have found political allies across the country, including Maharashtra, who are content with pointing out the small mountains of others' defeats, and are dissatisfied and narrow-minded.

Which opposition party leader has ever resorted to the childish act of marching all the way to the Supreme Court? File a petition to seek justice, hire a good lawyer, present arguments, present evidence, and present your issues. When this universally accepted judicial process exists, what a political act it is for the Congress to directly demand the resignation of the Chief Justice of the country! This dark act of the Congress has been recorded as a dark day in history. The Congress party and its allies have been challenged repeatedly to demonstrate that they can hack EVMs, but they have yet to accept this challenge. The Congress party has adopted Goebbels' policy of repeatedly making the same accusations and then creating the illusion of proving them true.

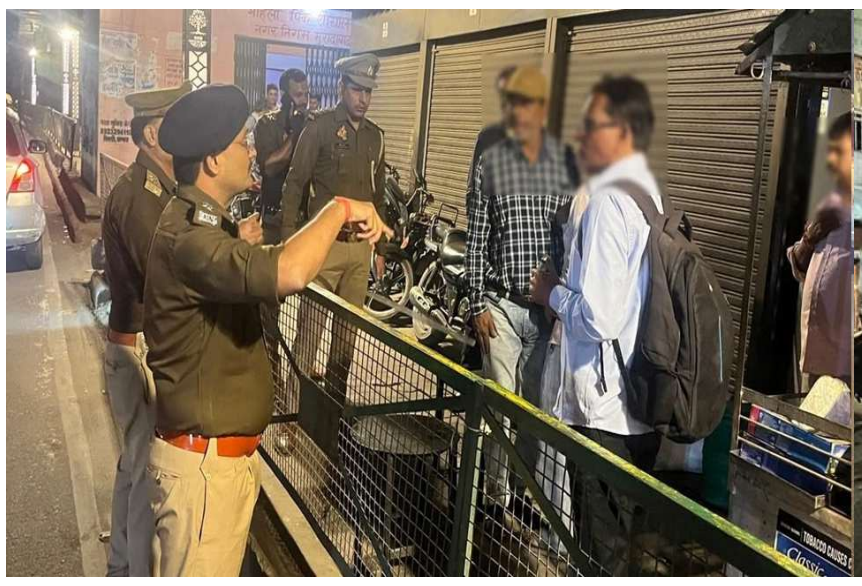
When the Congress and its allies win in states like Himachal Pradesh, Karnataka, Telangana, or Kerala, they have no complaints about EVMs. They find the election process completely fair and accept the public mandate wholeheartedly. But where the BJP and the Mahagathbandhan win, cries of EVM malfunction immediately begin. The opposition's double standards—public support in victory, and EVM hacking in defeat—have become well understood by the people of the country. Now, they have even raised the baseless issue of "vote theft." Does the Congress, which has been pushing the country into the abyss of corruption by stealing currency for so many years, have the moral right to speak on vote theft? Repeatedly blaming machines for one's failure is an insult to the judgment and discretion of the voters. The opposition has made it its objective to oppose development projects, put a brake on progress, and support forces that seek to sow divisions in society. This is the dual nature of INDIAN, holding a copy of the Constitution written by Bharat Ratna Dr. Babasaheb Ambedkar in one hand and then, with the other, committing the evil act of setting that very constitutional system on fire. Understanding the true meaning of "regime change" reveals the conspiracy. "Regime change" doesn't simply mean a change of power, but rather an attempt to overthrow the existing democratic system. This exposes the true mindset of Rahul Gandhi and other "agitation-oriented" leaders. The mature democracy that Dr. Babasaheb Ambedkar gave this country, the liberal political system that encouraged freedom of thought, expression, and action, is the very system that these people find offensive.

Congress President Mallikarjun Kharge is 84 years old. If, at an age when they should be imparting the values ??of decency and civility to future generations, they themselves make derogatory remarks about the Prime Minister's father, then it is futile to expect any good behavior from the Congress party. This is the fault of the Congress culture in which they were raised. They have been taught that no one should be greater than their family, and they cannot tolerate anyone else's progress.

On the other hand, despite numerous attempts to damage Prime Minister Modi's image, he overcame them and implemented schemes for the welfare of the country's farmers, women, students, and the poor. Developing a vast network of infrastructure, national highways, metros, and new enterprises paved the way for the country's industrial prosperity. From military preparedness to Vande Bharat, from Ayushman Bharat to Kisan Samman Nidhi, India is making steady progress in every field. Instant money transfers between bank accounts have become easier through UPI. The country's total installed power generation capacity has increased to 476 gigawatts. The national highway network has expanded from 91,287 kilometers in 2014 to approximately 146,572 kilometers in 2025-26. Chandrayaan-3 successfully landed on the Moon, making India the fourth country to reach the Moon and the first to land in the lunar south latitude region. In January 2025, the SPADEX mission successfully connected two satellites in space, making India the fourth country in the world to achieve this technology. This demonstrated the country's capabilities in space, automated control, and scientific experiments.

Due to Modiji's policies, farmers across the country have received direct assistance of ?50 lakh crore in the last 13 years. ?4 lakh crore was distributed to small and marginal farmers as the Kisan Samman Nidhi, while ?24 lakh crore was provided through the Minimum Support Price (MSP). When the entire world was facing uncertainty caused by tensions in the Gulf region, rumors were being spread about fertilizer and gas shortages. The opposition's aim was to tarnish Modi's image. However, despite the Gulf tensions, Modi did not let the burden fall on farmers and kept fertilizer prices under control. Even during.

शराब के अड्डों पर चला पुलिस का डंडा, 30 लोग हिरासत में लिए, थार समेत 20 वाहन सीज





सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। कटघर में थार समेत 20 वाहन सीज किए गए और 50 से अधिक वाहनों के चालान किए गए। नशे में मिले 30 लोगों को पकड़कर मेडिकल कराया गया। शराब की दुकानों के आसपास बने दारू के अड्डों पर पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात विशेष अभियान चलाया।

शाम पांच बजे से देर रात तक सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और पिलाने वालों के खिलाफ शिकंजा कसा गया।

पुलिस ने थार समेत 20 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जबकि 30 लोगों को पकड़ कर उनका मेडिकल कराया है। शहर से लेकर देहात तक शराब की दुकानों के आसपास खुलेआम शराबखोरी का सिलसिला चल रहा था। कहीं लोग अपनी कारों में बैठकर जाम छलका रहे थे तो कहीं ठेलों और दुकानों पर शराब पिलाई जा रही थी। शराब की दुकान से बोतल खरीदने के बाद लोग आसपास ही अपनी महफिल सजा लेते थे। कई जगह कारों को ही चलता-फिरता बार बना रखा था।इससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही थी।

एसएसपी सतपाल अंतिल के आदेश पर जिले के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। कटघर के हनुमान मूर्ति तिराहे के पास थार में शराब पी रहे पांच युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस ने थार सीज कर दी है जबकि पांचों युवकों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। मझोला थाने की पुलिस ने कुंदन पेट्रोल पंप के सामने स्थित दुकान के आसपास शराब पी रहे लोगों को दौडा लिया।

इसके अलावा बुद्धि विहार के मैदान में कारों को बार बनाकर शराब पी रहे युवकों को पुलिस ने दौड़ा लिया। सिविल लाइंस, कोतवाली, गलशहीद में पुलिस टीमों ने कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान पुलिस ने 20 वाहनों को सीज किया है जबकि 50 से ज्यादा वाहनों के चालान किए गए हैं।

30 लोगों को शराब के नशे में पकड़कर मेडिकल कराया गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजयसिंह ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। शराब की दुकानों के आसपास ठेले और दुकानों पर शराब पीने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन मुस्कान से लौटी परिवार की खुशियां, नाराज किशोर को जीआरपी ने खोजा



रामपुर मनिहारन स्टेशन पर अकेला और परेशान हालत में मिला किशोर, ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने परिजनों को सौंपा सहारनपुर के रामपुर मनिहारन रेलवे स्टेशन पर परिजनों से नाराज होकर पहुंचे 16 वर्षीय किशोर को जीआरपी शामली ने सकुशल बरामद कर परिवार से मिलाया। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्रवाई की।परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से निकला 16 वर्षीय किशोर रेलवे स्टेशन पहुंच गया। रामपुर मनिहारन रेलवे स्टेशन पर वह अकेला और परेशान हालत में घूमता मिला। प्लेटफॉर्म पर गश्त और चेकिंग कर रही जीआरपी टीम ने उससे पूछताछ की तो घर से नाराज होकर आने की बात सामने आई। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर किशोर को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया। पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद आशुतोष शुक्ला के निर्देशन में गुमशुदा लोगों की तलाश और बरामदगी के लिए ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी रेलवे सहारनपुर देवेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण और जीआरपी शामली के थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम रेलवे स्टेशनों पर गश्त और चेकिंग कर रही थी।इसी दौरान टीम को रामपुर मनिहारन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक किशोर अकेला और परेशान अवस्था में दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने उससे बातचीत की तो उसने अपनी उम्र करीब 16 वर्ष बताई और परिजनों की डांट से नाराज होकर स्टेशन आने की जानकारी दी। किशोर की पहचान गोपनीय रखने के लिए पुलिस ने उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया।

जीआरपी टीम किशोर को थाने ले आई और उचित माध्यम से उसके परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलने पर परिजन थाने पहुंचे। आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने किशोर को सकुशल परिवार के सुपुर्द कर दिया। किशोर के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने जीआरपी टीम का आभार जताया। पुलिस के इस प्रयास की स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने भी सराहना की।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस गुमशुदा और परिजनों से बिछड़े बच्चों की तलाश कर उन्हें सुरक्षित परिवार तक पहुंचाने का प्रयास करती है। जीआरपी टीम रेलवे स्टेशनों पर गश्त और चेकिंग के दौरान ऐसे बच्चों पर विशेष ध्यान दे रही है।

हाथ को जकड़ता रहा विशालकाय अजगर, फिर भी नहीं हारी हिम्मत

वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने मुरादाबाद में एक अजगर को बहादुरी से बचाया, जिसने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया था।वन्यजीव एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने अजगर को बहादुरी से बचाया। रेस्क्यू के दौरान अजगर ने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया। मुरादाबाद के पेपटपुरा में हुई यह घटना अब वायरल।हाथ में अजगर की मजबूत पकड़ और सामने फन की जगह कुंडली मारता उसका शरीर... आम आदमी होता तो शायद घबरा जाता, लेकिन वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने हिम्मत नहीं हारी। अजगर उनके हाथ को कसकर जकड़ता रहा और शाजिया उसे सुरक्षित पकड़ने में जुटी रहीं। करीब एक महीने पहले हुए इस रेस्क्यू का वीडियो बुधवार से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो देखकर लोग शाजिया के साहस की सराहना कर रहे हैं। यह मामला कृषि उत्पादन मंडी समिति मझोला से लाकड़ी फाजलपुर बाइपास की तरफ जाने वाले मार्ग पर पेपटपुरा का है। यहां खाली प्लाटों में झाड़ियों के बीच अजगर दिखाई देने पर रेस्क्यू के लिए सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन मौके पर पहुंचीं।अजगर द्वारा जकड़ने पर भी शाजिया ने धैर्य बनाए रखा-उन्होंने अजगर को पकड़ने का प्रयास शुरू किया तो उसने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया। इसके बावजूद शाजिया ने धैर्य बनाए रखा और सावधानी से अजगर को काबू कर लिया। रेस्क्यू के बाद अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया गया। खास बात यह है कि अजगर किसी घनी आबादी में नहीं मिला था, बल्कि पेपटपुरा के खाली प्लाटों की झाड़ियों में देखा गया था। करीब एक महीने पुरानी इस घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से चर्चा में है। वीडियो में अजगर की पकड़ के बीच शाजिया का उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने का हौसला साफ नजर आ रहा है। शाजिया के पिता अनीस अहमद ने बताया कि एक महीने पहले अजगर की सूचना मिलने पर वह बेटी को रेस्क्यू के लिए ले गए थे। उधर, वन क्षेत्राधिकारी राजेश शर्मा का कहना है कि मामला एक महीने पुराना है। अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया है। हाथ में अजगर की मजबूत पकड़ और सामने फन की जगह कुंडली मारता उसका शरीर... आम आदमी होता तो शायद घबरा जाता, लेकिन वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने हिम्मत नहीं हारी। अजगर उनके हाथ को कसकर जकड़ता रहा और शाजिया उसे सुरक्षित पकड़ने में जुटी रहीं। करीब एक महीने पहले हुए इस रेस्क्यू का वीडियो बुधवार से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो देखकर लोग शाजिया के साहस की सराहना कर रहे हैं। यह मामला कृषि उत्पादन मंडी समिति मझोला से लाकड़ी फाजलपुर बाइपास की तरफ जाने वाले मार्ग पर पेपटपुरा का है। यहां खाली प्लाटों में झाड़ियों के बीच अजगर दिखाई देने पर रेस्क्यू के लिए सूचना दी गई थी। किया तो उसने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया। इसके बावजूद शाजिया ने धैर्य बनाए रखा और सावधानी से अजगर को काबू कर लिया। रेस्क्यू के बाद अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया गया। खास बात यह है कि अजगर किसी घनी आबादी में नहीं मिला था, बल्कि पेपटपुरा के खाली प्लाटों की झाड़ियों में देखा गया था। करीब एक महीने पुरानी इस घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से चर्चा में है। वीडियो में अजगर की पकड़ के बीच शाजिया का उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने का हौसला साफ नजर आ रहा है। शाजिया के पिता अनीस अहमद ने बताया कि एक महीने पहले अजगर की सूचना मिलने पर वह बेटी को रेस्क्यू के लिए ले गए थे। उधर, वन क्षेत्राधिकारी राजेश शर्मा का कहना है कि मामला एक महीने पुराना है। अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया है।

मुरादाबाद मंडल में ओवैसी-चंद्रशेखर की जुगलबंदी, क्या सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बिगाड़ेगा सपा-बसपा का खेल?

ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के सामाजिक परिवर्तन मोर्चा गठबंधन से 2027 विधानसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी, खासकर मुरादाबाद मंडल की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं। यह गठबंधन मुस्लिम और दलित वोटों को एकजुट कर सपा-बसपा के लिए चुनौती पैदा कर सकता है।विधानसभा चुनाव 2027 की सियासी बिसात पर असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की जोड़ी ने नई चाल चली है। आजाद समाज पार्टी और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के गठबंधन सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का असर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, खासकर मुरादाबाद मंडल की सियासत पर पड़ सकता है। मुस्लिम और दलित मतदाताओं को एक मंच पर लाने की कोशिश सपा के लिए चुनौती बनेगी। गठबंधन सफल रहा तो सपा के मजबूत क्षेत्रों में वोटों का गणित बिगड़ सकता है और भाजपा को फायदा मिलने की संभावना है।संभल, मुरादाबाद, रामपुर और अमरोहा में मुस्लिम मतदाता कई सीटों पर निर्णायक हैं। दलित मतदाताओं की भी चुनाव परिणाम प्रभावित करने में अहम हिस्सेदारी है। इन दोनों वर्गों के बड़े हिस्से पर अब तक सपा और बसपा की नजर रही है।ओवैसी और चंद्रशेखर की जोड़ी इसी राजनीतिक जमीन पर अपनी हिस्सेदारी तलाश रही है। गठबंधन की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि दोनों दल अपने समर्थकों को बूथ तक कितनी मजबूती से पहुंचा पाते हैं।मोर्चे का असर वोटों के बंटवारे तक सीमित नहीं रह सकता। टिकट न मिलने से नाराज नेता और दूसरे दलों के बागी इसे विकल्प के रूप में देख सकते हैं। कम अंतर से हार-जीत वाली सीटों पर मजबूत स्थानीय प्रत्याशी मुकाबले का रुख बदल सकते हैं। सपा और बसपा के टिकट दावेदारों को भी यहां नया ठिकाना मिल सकता है, लेकिन दोनों दलों को प्रभावशाली स्थानीय चेहरे तलाशने होंगे। भाजपा इसे अपने लिए फायदेमंद मान रही है, जबकि सपा और बसपा के नेता गठबंधन को खोखला मोर्चा बता रहे हैं।सपा के सामने मुस्लिम मतों में बंटवारे का खतरा है और बसपा के लिए दलित मतदाताओं को साथ बनाए रखना चुनौती होगी। मुरादाबाद में एआइएमआइएम के पिछले चुनावी प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिले की छह में से पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारे और कुल 31,413 वोट हासिल किए। कुंदरकी में मोहम्मद वारिस को 14,251, बिलारी में खालिद जमाल को 9,235, कांठ में रईसुद्दीन को 2,886, मुरादाबाद नगर में वकी राशिद को 2,661 और मुरादाबाद देहात में मोहीद फरगानी को 2,380 मत मिले।ठाकुरद्वारा में पार्टी ने प्रत्याशी नहीं उतारा था। नगर निगम चुनाव में 25 वार्डों में प्रत्याशी उतारकर पार्टी को 11,781 वोट मिले, हालांकि कोई प्रत्याशी जीत नहीं सका। संभल विधानसभा सीट सपा का मजबूत गढ़ मानी जाती है। यहां वर्ष 2023 के नगर पालिका चुनाव में एआइएमआइएम की आसिया मुशीर ने सपा विधायक की पत्नी रुखसाना इकबाल को बड़े अंतर से हराया था। आसिया को 40,425 और रुखसाना को 7,662 वोट मिले थे।

चंद्रशेखर के साथ गठबंधन से दलित मतदाताओं को जोड़ने का अवसर मिलेगा और सपा के सामने अपने परंपरागत मतदाताओं को एकजुट रखने की चुनौती होगी।

संक्षिप्त समाचार

बरेली की कमान फिर पुराने कप्तान के हाथ, मुनिराज बने नए डीआईजीएसएसपी रहते सराफा लूटकांड के दो बदमाशों का हुआ था एनकाउंटर, कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम को मिला राष्ट्रपति पुरस्कार

बरेली रेंज के नए डीआईजी मुनिराज जी बनाए गए हैं। वह पहले बरेली के एसएसपी रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में सराफा लूटकांड के दो बदमाशों का एनकाउंटर हुआ था, जिसमें शामिल पुलिस टीम को राष्ट्रपति पुरस्कार मिला था।बरेली रेंज की कमान



एक बार फिर पुराने पुलिस कप्तान के हाथों में आ गई है। मुनिराज जी को रेंज का नया डीआईजी बनाया गया है। वह इससे पहले बरेली में एसएसपी के पद पर तैनात रह चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर उनकी अलग पहचान बनी थी। उनके कार्यकाल में हुए सराफा लूटकांड के खुलासे और दो बदमाशों के एनकाउंटर ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम को राष्ट्रपति पुरस्कार भी मिल चुका है। बरेली में एसएसपी रहते मुनिराज जी ने कानून व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अपनाया था। अपराध नियंत्रण और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई उनकी प्राथमिकता में शामिल रही। राजनीतिक दबाव के बीच भी कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में उनके सख्त तेवर चर्चा में रहे। उनके नेतृत्व में पुलिस की कई कार्रवाई सुर्खियों में रहीं। अब डीआईजी के रूप में उनकी बरेली रेंज में वापसी को पुराने अनुभव के लिहाज से अहम माना जा रहा है। वहीं, बरेली रेंज के डीआईजी रहे अजय कुमार साहनी का कार्यकाल भी कई महत्वपूर्ण पुलिस कार्रवाइयों के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने तौकीर रजा प्रकरण में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा रेंज के अन्य जिलों में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को लेकर भी कई बड़ी कार्रवाई की गईं।अब मुनिराज जी के सामने बरेली के अलावा बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने की जिम्मेदारी होगी। चार जिलों की पुलिस व्यवस्था में समन्वय, अपराध नियंत्रण और संवेदनशील मामलों से निपटना उनके लिए प्रमुख चुनौतियां रहेंगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

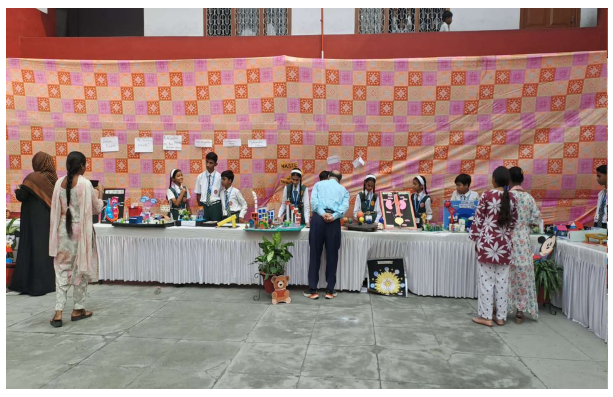
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दयानन्द मोंटसरी बालिका जूनियर स्कूल मॉडल टाऊन में बच्चों ने लगाई विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) । मॉडल टाऊन स्थित दयानन्द मॉन्टेसरी बालिका जूनियर स्कूल में एक दिवसीय बचियो द्वारा विजान एवं कला प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं के द्वारा विज्ञान एवं कला के विभिन्न प्रकार के उपकरणों के मॉडल बना कर प्रदर्शित किए गए वा अपनी अपनी प्रतिभा की प्रस्तुति दी गई।विज्ञान मॉडल के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रथम पुरस्कार आराधना को एवं दिलकश को द्वितीय एवं साफमान मिर्ज़ा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में मेडल एवं सर्टिफिकेट दे कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। मुख्य अतिथि रवि छाबड़ा अध्यक्ष मॉडल टाऊन सोसाइटी वा श्रीमती नीरू बागा और राजीव बग्गा जी ने दीप प्रवाजलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस कार्यक्रम की सफल बनाने हेतु विद्यालय के अध्यक्ष के ल बजाज, प्रबंधक डॉ के एम अरोरा,रमेश बग्गा कोषाध्यक्ष,रेनू शर्मा प्रधानाचार्य ,राखी सक्सेना उप प्रधानाचार्य, गोविंद तनेजा,सुनील बंगा,एवं समस्त शिक्षक गण का काफी सहयोग रहा।

समापन पर मॉडल टाऊन सोसाइटी अध्यक्ष रवि छाबड़ा ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामनाये दी।

संगठन संवाद संकल्प कार्यशाला में शामिल हुए बरेली के कांग्रेसी, जिला और महानगर अध्यक्षों को दोबारा जिम्मेदारी देने का निर्णय

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) । जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशफाक सकलानी एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में बरेली जिले से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित संगठन संवाद संकल्प कार्यशाला में शामिल होने पहुंचे। कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम एवं प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना की मौजूदगी में संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला में निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं महानगर अध्यक्षों को दोबारा जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

इस निर्णय से संगठन में निरंतरता बनी रहेगी और आगामी कार्यक्रमों को गति मिलेगी। डॉ मेहंदी हसन ने कहा की बरेली आने पर जिला अध्यक्ष असफाक सक्लेनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा का भारी भरकम स्वागत किया जाएगा. इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. मेहंदी हसन, रमेश श्रीवास्तव, जीशान अफरीदी तीरथ मधुकर सहित अनेक कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

किसानों को पुराने रेट पर ही मिलेगा डीएपी खाद

बरेली। (ब्यूरो) रबी सीजन में बुवाई की तैयारी कर रहे बरेली के किसानों के लिए राहत की बात है। इस बार खाद की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी। सरकार ने उर्वरक सब्सिडी में न तो कटौती की है और न ही बढ़ोतरी। पिछले साल की व्यवस्था जारी रहने से जिले के करीब साढ़े पांच लाख सक्रिय किसानों को पुरानी दरों पर ही खाद मिलेगी। डीएपी का 50 किलो का बोरा पहले की तरह 1350 रुपये में उपलब्ध होगा। रबी सीजन 2026-27 में जिले में गेहूं की बुवाई का लक्ष्य 1,67,569 हेक्टेयर रखा गया है। सरसों के लिए 12,882 हेक्टेयर और चना, मटर व मसूर सहित दलहन के लिए 16,303 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा तोरिया का 922 हेक्टेयर और तिलहन का लक्ष्य 13,834 हेक्टेयर तय किया गया है। इन फसलों की बुवाई और बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को डीएपी व एनपीके की जरूरत होगी।



अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों के कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता रहता है। ऐसे में सब्सिडी की व्यवस्था किसानों को कीमतों के सीधे असर से बचाती है। इस बार भी सब्सिडी में कटौती नहीं होने से किसानों को खाद के लिए अतिरिक्त रकम नहीं चुकानी पड़ेगी। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जिले में अब तक डीएपी और एनपीके की 74 हजार मीट्रिक टन बिक्री हो चुकी है। वहीं सहकारी समितियों और निजी दुकानों पर 67 हजार मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

डिलारी में डीएपी खाद की ओवररेटिंग पर किसानों का हंगामा, किसानोंने लगाए सहकारी समिति के कर्मचारियों पर गंभीर आरोप

@ क्यूँ न लिखूँ सच



डिलारी ⁼ विकास खण्ड डिलारी क्षेत्र की बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति मनकुआ मकसूदपुर मे डीएपी खाद ओवर रेट बेचने पर किसानों ने हंगामा प्रदर्शन कर समिति पर तैनात कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए सरकारी रेट पर खाद मुहैया कराने की मांग की, किसान जमील अहमद, प्रेम सिंह, खलील अहमद, कृष्ण पाल, बाबू, मोहसिन, शाहिद, राजपाल सिंह आदि ने बताया कि गेहूं की बुवाई के लिए लगभग एक सप्ताह से डीएपी खाद लेने के लिए अपनी वैध आईडी लेकर समिति के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समिति पर कार्यरत कर्मचारी दलालों के माध्यम से निर्धारित मूल्य से अधिक पर 2300 से लेकर 2500 तक प्रति बोरी किसानों को बेच रहे हैं जो किसान ओवर रेट खाद नहीं लेता उसके साथ अभद्रता करते हैं कई किसानों की आईडी फाड़ कर फेंकने का आरोप लगाया, प्रदर्शन कार्यो ने बताया कि कुछ किसानों की आईडी जमा करके उनके नाम से स्टॉक से खाद निकालकर रात के समय में समिति के पिछले रास्ते से जमाखोरों के हाथों कालाबाजारी कर रहे हैं, जिस पर आक्रोश जताते हुए शुक्रवार को समिति पर पहुंचकर किसानों ने हंगामा प्रदर्शन कर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करते हुए खाद उपलब्ध कराने की मांग की है, प्रदर्शनकारीयो ने बताया कि जबकि सरकार किसानों की दिक्कत दूर करने के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करा रही है लेकिन कर्मचारियों, जमाखोरों की मिली भगत से किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हो रहा हंगामा प्रदर्शन होता देख समिति पर तैनात कर्मचारी ताले लटका कर भाग गए , इस संबंध मे समिति पर तैनात जिम्मेदार अधिकारी से दूरभाष के जरिए बात करने की कोशिश की गई लेकिन फोन रिसीव नहीं हो पाया। इस मामले में मंडलायुक्त से दूरभाष के माध्यम से बात की गई। तो उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश देकर जाँच की बात कही।

अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला बैठक संपन्न प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार ने अंबेडकर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, छात्रावास का निरीक्षण कर योजनाओं के हितग्राहियों से किया संवाद

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा।(हाकमसिंह रघुवंशी) भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला बैठक का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय विदिशा में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार शामिल हुए। उनके विदिशा आगमन पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।जिला मीडिया प्रभारी डा. राहुल जैन ने बताया प्रदेश अध्यक्ष श्री भगवान परमार ने सर्वप्रथम बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात उन्होंने अनुसूचित जाति छात्रावास का निरीक्षण किया तथा वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से संपर्क कर योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उन्हें मिल रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की।इसके बाद भाजपा जिला कार्यालय विदिशा में अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागीय प्रभारी डॉ. जितेंद्र चौहान, जिला प्रभारी गोपाल जाटव एवं जिला अध्यक्ष कमलेश मेहर के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।इस अवसर पर कार्यालय मंत्री मुकेश चौकसे, मंडल अध्यक्ष प्रशांत खत्री, राजेश प्रभाकर, मंडल महामंत्री एवं पार्षद संतोष पेंटर, महाराज सिंह सूर्यवंशी, राजेंद्र अहिरवार, रामकरण अहिरवार, प्राण सिंह अहिरवार, सुनील अहिरवार, विशाल पेंटर अहिरवार सहित मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षक की शर्मनाक करतूत, कक्षा तीन की छात्राओं से की छेड़खानी, रिपोर्ट दर्ज, सेवाएं भी आप्त

बरेली। (ब्यूरो) बहेड़ी के एक नामचीन स्कूल में कक्षा तीन की छात्राओं से छेड़खानी के आरोप में कंप्यूटर शिक्षक के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि शिक्षक करीब एक महीने से उनके साथ गलत हरकत कर रहा था और शिकायत करने पर फेल करने की धमकी देता था। एक अभिभावक ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी बेटी कक्षा तीन की छात्रा है। शिक्षक आयुष शर्मा ने बृहस्पतिवार को छात्राओं को कंप्यूटर लैब में ले जाकर उनके साथ गलत हरकत की। छात्राओं ने खुद जाकर प्रधानाचार्य को बताया कि शिक्षक ने शिकायत करने पर फेल करने की धमकी दी थी। छात्राओं का कहना है कि शिक्षक एक माह से इस तरह की हरकत कर रहा था। अभिभावकों ने बताया कि उन्होंने दीपावली से पहले इसकी शिकायत क्लास टीचर से की थी, लेकिन उन्होंने प्रधानाचार्य से बात न हो पाने की बात कहकर मामला टाल दिया था।

पुलिस अधीक्षक ने पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनियमितता के आरोप में 01 उपनिरीक्षक को किया निलंबित

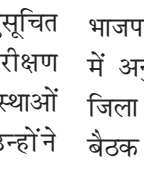
@ क्यूँ न लिखूँ सच

उपनिरीक्षक अमित प्रताप सिंह चौकी प्रभारी भंगहा थाना कोतवाली भिनगा के विरुद्ध पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनियमितता के आरोप संज्ञान में आए हैं।

प्रकरण की जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि आवेदक पुत्तू लाल पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी मनिकापुर थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया है कि दिनांक: 10.11.2026 की रात को चौकी प्रभारी अमित प्रताप सिंह द्वारा माँ-बहन की भद्दी भद्दी गाली देने एवं दुर्व्यवहार का मामला संज्ञान में आया। उक्त कृत्य गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है।उक्त कृत्य को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली एवं छवि को प्रभावित करने वाला मानते हुए पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी द्वारा उक्त उपनिरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही, उनके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय जांच संचालित कराए जाने के आदेश दिए गए हैं, ताकि प्रकरण के सभी तथ्यों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जा सके। जनपद पुलिस शुचिता, पारदर्शिता एवं अनुशासन के प्रति सदैव कटिबद्ध है।

उपनिरीक्षक अमित कुमार सिंह चौकी प्रभारी भंगहा निलंबित

@ क्यूँ न लिखूँ सच



श्रावस्ती (अरविंद कुमार यादव) पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लपरवाही एवं अनियमितता का आरोप संज्ञान मे आते ही पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी ने प्रकरण जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि आवेदक पुत्तू लाल पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी मनकापुर थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया के दिनांक 12 11.26 की रात को चौकी प्रभारी अमित प्रताप सिंह द्वारा मां बहन की भद्दी भद्दी गाली देने व दुर्व्यवहार का मामला संज्ञान में आया उक्त गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है अमित कुमार सिंह को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली एवं छवि को प्रभावित करने वाला मानते हुए पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा अमित कुमार सिंह उपनिरिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया साथ ही उनके विरुद्ध नियमानुसार विभाग के जांच संचालित कराए जाने के आदेश दिए गए हैं ताकि प्रकरण के सभी तत्वों की निष्पक्ष एवं

सेंट नॉर्बर्ट्स स्कूल में विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच।(अमरीक सिंह) बहराइच। यातायात माह के तहत शुक्रवार को यातायात पुलिस बहराइच की ओर से सेंट नॉर्बर्ट्स स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की जानकारी दी गई।

इसके साथ ही नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं चलाने और निर्धारित आयु पूरी होने पर वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाने की सलाह दी गई। विद्यार्थियों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में राहवीर योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर मदद कर उसे अस्पताल पहुंचाना किसी की जान बचा सकता है। घायलों की मदद करने वाले नेक व्यक्तियों को अनावश्यक कानूनी परेशानियों से सुरक्षा देने और पात्र मददगारों को पुरस्कृत करने के उद्देश्य से यह योजना संचालित की जा रही है।

यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों से स्वयं नियमों का पालन करने और दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और लोगों की जान बचाई जा सके।

दीवार गिरने से घर मालिक की मौत, दो बेटे और एक बेटी के सिर से उठा पिता का साया

बरेली। (ब्यूरो) भमोरा थाना क्षेत्र के गांव बाबू नगला में शुक्रवार सुबह कच्ची कोठरी दौरान मालिक की भारी पड़ गई। मलबा ऊपर गृहस्वामी 30 सूरज की घर के पीछे गिराने के लापरवाही जान पर दीवार का गिरने से वर्षीय मौत हो गई। परिजन जीवित होने की उम्मीद में बरेली के निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर ग्रामीणों ने बताया कि सूरज सुबह घर के पीछे बनी कच्ची कोठरी को गिरा रहे थे। इसी दौरान दूसरी तरफ की दीवार अचानक भरभरा कर उन्हीं के ऊपर गिर गई। सूरज उसके नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। थोड़ी देर में ही उनकी मौत हो गई, हालांकि परिजन उन्हें बरेली के निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।



मटेरा थाना क्षेत्र में आर्टिगा और थार की जोरदार भिड़ंत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच।(अमरीक सिंह)। मटेरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे नानपारा-बहराइच मार्ग पर एक आर्टिगा कार और महिंद्रा थार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा ग्राम किशनपुर में जायसवाल ढाबे से करीब 50 मीटर आगे हुआ। दुर्घटना में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि आर्टिगा कार में सवार एक महिला को चोट आई।

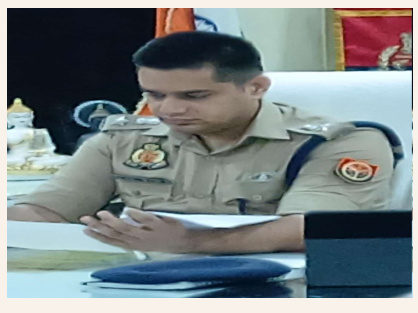
जानकारी के अनुसार, वाहन संख्या यूपी 32 आरजे 7563 आर्टिगा नानपारा की ओर से बहराइच जा रही थी। वहीं वाहन संख्या यूपी 47 एएच 4551 महिंद्रा थार बहराइच की ओर से नानपारा जा रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि थार सड़क के दाहिनी ओर नीचे उतर गई, जबकि आर्टिगा सड़क के बाईं ओर नीचे क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी मिली।

♦ एक महिला घायल नानपारा-बहराइच मार्ग पर जायसवाल ढाबे से 50 मीटर आगे हुआ हादसा, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

बताया गया कि आर्टिगा कार में चार लोग सवार थे। इनमें सोनी कुमारी पुत्री हरिशंकर निवासी धमबोझी चौक, वार्ड नंबर एक, नेपाल, उनकी बेटी करिश्मा, पति हरिशंकर और एक अन्य व्यक्ति शामिल थे। हादसे में केवल सोनी कुमारी को चोट आई। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें नरेंद्र अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार और दवा मिलने के बाद वह अपने परिवार के साथ घर चली गईं। वहीं महिंद्रा थार में तीन लोग सवार बताए गए हैं। दुर्घटना के बाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस मामले की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

श्रावस्ती जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं संबंधित को शीघ्र निस्तारण हेतु दिए निर्देश

श्रावस्ती (अरविंद कुमार यादव) पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा कार्यालय पर आयोजित जनता दर्शन के दौरान शिकायत व समस्याओं को गया इस दौरान जमीनी विवाद महिला संबंधी एवं प्रकरणों से संबंधित प्रार्थना प्रकरण पर गंभीरता पूर्वक संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आमजन की गंभीरता से सुना मारपीट पारिवारिक अन्य प्रकार के पत्र प्राप्त हुए प्रत्येक विचार करते हुए शीघ्र निष्पक्ष एवं निर्देश दिए गए जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन और आमजन के मध्य संवाद स्थापित कर त्वरित न्याय की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया गया



ग्रामोदय लॉ कॉलेज अमरपुर काशी में लगा विधिक जागरूकता शिविर



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नोएडा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकारी के तत्वाधान में ग्रामोदय लॉ कालेज अमरपुरकाशी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया तहसीलदार राजकुमार सिंह, अजयवीर सिंह डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, आफाक हुसैन प्रेसीडेंट तहसील बार एसोसिएशन,बलराम शर्मा प्रबंधक ग्रामोदय लॉ कालेज, लोकेश कठेरिया सदस्य प्रबन्धन समिति आदि ने माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर आरंभ किया। तहसीलदार ने अपने सम्बोधन में नि:शुल्क विधि के बारे में जानकारी दी साथ ही सोलह नवंबर से निर्धारित होने वाली स्व- जनगणना के बारे में भी जानकारी दी।महिला कल्याण विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकारी की ओर से प्रतिनिधि के रूप में तनीषा दिवाकर ने महिला अधिकार, महिला सहायता लाइन, बाल विवाह निषेध एवं कानूनी सहायता के संबंध में अपने विचार रखे। प्रबंधन समिति के सदस्य ने बताया विधिक जागरूकता होने से व्यक्ति सशक्त बनता है। वक्ताओं ने विधिक सेवा अधिनियम एवं नि:शुल्क विधिक सहायता के संबंध में विस्तार से बताया। बार अध्यक्ष अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा यदि किसी व्यक्ति को न्याय नहीं मिल पा रहा है तो वह व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकता है। पराविधिक स्वयंसेवक अदनान हुसैन, रिंकी, नीतू सक्सेना,आरती, विनोद कुमार, आमिर खान आदि ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार यादव, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ रामगोपाल, रबीना सिंह, आशीष जादौन, डॉ. वीरेन्द्र शाक्य, डॉ. मनोज प्रताप, डॉ. वैभव राघव, डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्रा रहे। अंत में कॉलेज प्रबंधक ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन विधिक सेवा प्राधिकारी की ओर से नीतू सक्सेना ने किया।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ, जागरूकता रैली निकाली



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तंबाकू नियंत्रण के नोडल प्रभारी मनमोहन कौशिक ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत बनाने की शपथ दिलाई।

इसके बाद प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को तंबाकू मुक्त युवा अभियान के उद्देश्यों एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जागरूक किया गया।

वक्ताओं ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए विभिन्न जागरूकता नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाकर स्वस्थ समाज का निर्माण करना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा ने की तथा संचालन मनमोहन कौशिक ने किया।

इस अवसर पर रमेश चंद्र श्रोत्रिय, महेंद्र कुमार चौधरी, लक्ष्मीकांत, प्रभाकर शर्मा, पूजा यादव, मनमोहन कौशिक, हरिशंकर शर्मा, ममता रानी सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जनगणना के प्रति जागरूकता रैली निकाली

पीएमश्री एवं कंपोजिट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्व-गणना के लिए किया जागरूक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । सोलह नवंबर से प्रारंभ होने वाली स्व-गणना प्रक्रिया के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से तहसीलदार राजकुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी विकास कुमार के मार्गदर्शन में नगर में जागरूकता रैली निकाली गई। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय एवं कंपोजिट कन्या विद्यालय बिलारी के छात्र-छात्राओं ने रैली में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से नगरवासियों को जनगणना-2027 में सक्रिय सहभागिता करने तथा स्व-गणना प्रक्रिया के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर ने जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नागरिकों से इस राष्ट्रीय कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की। रैली में एआरपी अक्षय कुमार, राजीव कुमार,आसमा कमाल,



सुलेमान अंसारी, श्री वीरपाल सिंह यादव, सीमा यादव, राजकुमार, शाहीन सुल्ताना अब्दुल मलिक, ऐतरेश कुमारी, एआरपी मोहर सिंह, भुवनेश कुमार रहे।



जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा के मोहल्ला ठाकुरद्वारा की वसंत विहार कॉलोनी निवासी आर्यन उर्फ मोनू पंडित ने बृहस्पतिवार शाम अपने घर पर रखे जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पड़ोसी ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने बताया मोनू शराब का लती था।

जिसके चलते उसकी पत्नी चित्रा ज्यादातर अपने मायके में रहती थी।जिस कारण वह मानसिक तनाव में रहता था। दीपावली के समय वह अपनी पत्नी को मायके से घर लेकर आया था। बुधवार को भैया दूज के त्योहार पर वह पत्नी को दोबारा मायके छोड़कर आया था। इसके अगले दिन उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।बताया वह पत्नी को डराने के चक्कर में कई बार पहले भी खा चुका है।पहले भाग्य बस डॉक्टर ने उसे बचा लिया।लेकिन इस बार इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जहर खाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।



मोनू अपने पीछे पत्नी चित्रा,आठ वर्षीय पुत्री हिमांशी, छह वर्षीय पुत्र सार्थक और पिता राकेश शर्मा को छोड़ गया है। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया युवक के शब का पोस्टमार्टम कराया गया है।मौत का कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है।

राशन कार्ड बनवाने, ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि आदि की रखीं समस्याएं

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । मोहम्मद इब्राहिमपुर में सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने जनता दरबार लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जिसमें ग्राम मुंडिया भीकम, बगपुरा, नरसरा, करसरा, अमरपुरकाशी, समसपुर, चकहबीबपुर सहित आसपास के कई गांवों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। ग्रामीणों ने राशन कार्ड बनवाने, पैन कार्ड में संशोधन, चिकित्सा सहायता, सड़क निर्माण, ट्रांसफॉर्मर की क्षमता वृद्धि, पेंशन सहित विभिन्न समस्याएं रखीं। इस दौरान हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, रजा हुसैन, मोहम्मद अनीस, मोहम्मद बाबू, जयपाल सिंह, चंद्रपाल सिंह, नरवीर यादव, मुनाजिर, मेंहदी हसन, राबिल हसन, यामीन हुसैन, इंतजार हुसैन, रईस, रफीक, नसीम, उज्ज्वल जाटव, अरविंद जाटव, अमन, छोटे, लाल सिंह यादव, रमजानी आदि रहे।



राजश्री और एएनए कॉलेज में हुई स्वगणना कार्यशाला, तहसीलदार ने दिए निर्देश

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत स्वगणना प्रक्रिया के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को राजश्री मेडिकल कॉलेज और एएनए कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्र-छात्राओं और कॉलेज के कर्मचारियों को स्वगणना की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें अपने परिवार के सदस्यों की भी स्वगणना कराने के लिए प्रेरित किया गया।





कार्यशाला में बताया गया कि नागरिक स्वगणना के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर स्वयं अपना विवरण दर्ज कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

कार्यशाला की अध्यक्षता तहसीलदार आशीष कुमार ने की। राजश्री मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में डायरेक्टर आरके सिंह, नर्सिंग प्रधानाचार्य गौरव प्रताप सिंह, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एसबी शुक्ला, मेडिकल अस्पताल के मैनेजर श्याम गंगवार और लेखपाल आदित्य कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अब मेयर से लेकर पार्षद तक के चुनाव में उतरेगी रालोद, पार्टी को शहरी वोटरों के बीच ले जाने की कोशिश

राष्ट्रीय लोकदल अब अपने ऊपर से गांवों की पार्टी होने का ठप्पा और पहचान हटाना चाहती है। इसके लिए वह अपनी रणनीति में बदलाव कर रही है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अब अपनी सियासी पहचान को गांवों और किसानों तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी ने गांव की पार्टी का ठप्पा हटाकर शहरों में भी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश के 17 महानगरों में संगठन का विस्तार करने और अध्यक्षों के प्रदर्शन का आकलन करने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी अब मेयर से लेकर पार्षद तक के चुनाव लड़ने की तैयारी में है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस रणनीति को लेकर बैठकों का दौर जारी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शहरी संगठन की जिम्मेदारी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्र को सौंपी है। मेरठ और नोएडा में महानगर अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं। वहीं, बनारस, गोरखपुर और प्रयागराज में अभी अध्यक्षों की नियुक्ति नहीं हुई है। इन शहरों में पदाधिकारियों से संभावित नाम मांगे गए हैं। स्थानीय स्तर पर बैठकें कर जल्द जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। पार्टी ने महानगर अध्यक्षों के लिए पद पर बने रहने के बजाय काम करके दिखाने की शर्त रखी है। उनके प्रदर्शन का आकलन संगठन विस्तार, जिलाध्यक्षों से समन्वय, महानगर और वार्ड स्तर पर कमेटियों के गठन व बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करने के आधार पर होगा। अध्यक्षों को केवल पदाधिकारी नियुक्त नहीं करने, बल्कि चुनाव लड़ने में सक्षम सांगठनिक ढांचा तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। शहरी निकाय चुनाव रालोद की रणनीति का अगला बड़ा लक्ष्य हैं। पार्टी की योजना है कि अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाले महानगर अध्यक्षों को हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जाए। इस कवायद के जरिये रालोद अपनी परंपरागत ग्रामीण राजनीति के साथ शहरी मतदाताओं के बीच भी पैठ बनाने की कोशिश में है।



शिवा की मौत का राज खोलेगा सीन रीक्रिएशन, पुलिस ने श्रद्धा के अपार्टमेंट में पुतले को तीन तरीके से गिराया

लखनऊ में कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने क्राइम सीन रीक्रिएशन कराया। श्रद्धा दुबे के अपार्टमेंट में पुतले को तीन अलग-अलग तरीकों से नीचे गिराकर घटनाक्रम समझने की कोशिश की गई। अब फॉरेंसिक रिपोर्ट से हत्या, आत्महत्या या हादसे की आशंका स्पष्ट होने की उम्मीद है। कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने घटनास्थल का रीक्रिएशन कराया। श्रद्धा दुबे के अपार्टमेंट स्थित फ्लैट और बालकनी में पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉक्टरों की मौजूदगी में यह प्रक्रिया पूरी की गई। शिवा शर्मा फ्लैट से किस तरह नीचे गिरे थे, इसका पता लगाने के लिए पुतला तैयार कर उसे तीन अलग-अलग तरीकों से नीचे गिराया गया। अब फॉरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मौत की वजह को लेकर हत्या, आत्महत्या या हादसे की थ्योरी पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। क्राइम सीन रीक्रिएशन में हत्याकांड के मुख्य विवेचक, दो सह विवेचक, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और डॉक्टर शामिल रहे। टीम ने फ्लैट और बालकनी के घटनास्थल का बारीकी से परीक्षण किया। पुतले के जरिए अलग-अलग परिस्थितियों में गिरने के तरीके को परखा गया, ताकि यह समझा जा सके कि शिवा शर्मा किस परिस्थिति में नीचे गिरे होंगे। तीन आरोपी जेल में बंद - कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में उनकी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा दुबे, श्रद्धा की बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज है। तीनों आरोपी फिलहाल लखनऊ जेल में बंद हैं। पुलिस को अब फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट से मौत की परिस्थितियों और घटनाक्रम की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड ⊃ कब क्या-क्या हुआ

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए उठाएं ठोस कदम





बदायूँ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित छोटे-छोटे मामलों को भी गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण किया जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े और उन्हें त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए विशाखा गाइडलाइन के तहत आंतरिक परिवाद समिति का गठन कराने तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।शुक्रवार को विकास भवन स्थित सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने प्रेस वार्ता के साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने महिला कल्याण से संबंधित योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात उन्होंने महिलाओं की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विशाखा गाइडलाइन के प्रति महिलाओं एवं संबंधित संस्थानों को जागरूक किया जाए। इसके लिए ग्राम प्रधानों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से भी गांव-गांव तक जानकारी पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक महिलाएं अपने अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के प्रति जागरूक हो सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकारी दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी समझें। महिलाओं की समस्याओं का समाधान केवल एक विभागीय कार्य नहीं, बल्कि समाज सेवा का महत्वपूर्ण दायित्व है। इसलिए संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्य किया जाए। इसके पश्चात उन्होंने महिलाओं से संवाद कर संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी दी तथा योजनओं से लाभ उठाने के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र को शासकीय योजनाओं का लाभ अवश्य लेना चाहिए। उन्होंने विकास भवन स्थित प्रेरणा कैंटीन का निरीक्षण कर कहा कि स्वच्छता और गुणवत्ता ध्यान रखा जाए।

इससे पूर्व उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर 10 महिलाओं की गोद भराई की तथा 10 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस अवसर पर धात्री महिलाओं को बेबी किट भी वितरित की गईं। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा समुचित देखभाल के महत्व पर भी जोर दिया।

छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूं में यातायात अंतर्गत एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में आज यातायात पुलिस, बदायूँ द्वारा जनपद के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए । कार्यक्रम के दौरान यातायात प्रभारी द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के महत्व, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित आवागमन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

उन्हें दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा सड़क पार करते समय सावधानी बरतने के प्रति जागरूक किया गया । इसके अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा मोटरसाइकिलों में निर्धारित मानकों से अधिक तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न/मॉडिफाइड हॉर्न के प्रयोग से होने वाले नुकसान एवं ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए ऐसे हॉर्न को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया । कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं को स्वयं यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवारजनों एवं आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया । बदायूँ पुलिस द्वारा यातायात माह-2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रवर्तन कार्यवाही के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाकर सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

डिजिटल भागीदारी की ओर बढ़ते कदम, बच्चों ने रैली निकालकर दिया स्व-गणना का संदेश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय बलूपुरा और प्राथमिक विद्यालय सिल्लापुर के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को ऑनलाइन स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) के प्रति प्रेरित किया।

रैली के दौरान बच्चों ने आमजन को बताया कि उत्तर प्रदेश में 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस अवधि में नागरिक घर बैठे स्वयं अपने और अपने परिवार का विवरण दर्ज कर सकेंगे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई कि जनगणना के सटीक आंकड़ों से ही देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन होता है और जनकल्याणकारी योजनाएं बनती हैं। बच्चों ने संदेश दिया कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने भी जनपदवासियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में स्व-गणना का लाभ उठाकर इस महाअभियान को सफल बनाएं।

पयागपुर में पुलिस और शातिर अपराधी के बीच मुठभेड़

दोनों ओर से हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच।(अमरीक सिंह) जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पयागपुर थाना क्षेत्र में बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि पुलिस तथा एक शातिर अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अपराधी के दाहिने पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बब्बू पुत्र रामप्रसाद निवासी बबया, थाना पयागपुर, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। वह थाना पयागपुर का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। उसके विरुद्ध बहराइच सहित अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने जनपद में चोरी की घटनाओं के अनावरण और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। इसी क्रम में 12/13 नवंबर की रात थाना पयागपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे अंडरपास पुलिया के आगे एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की वारदात को अंजाम देने अथवा चोरी का सामान बेचने की फिराक में आने वाला है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पयागपुर पुलिस टीम के साथ बताए गए स्थान पर पहुंचे और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान एक व्यक्ति आता दिखाई दिया।

पुलिस टीम ने उसे रोकने के लिए घेराबंदी की तो उसने खुद को घिरा देखकर रेलवे ट्रैक की आड़ लेकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अवैध तमंचा और चोरी का सामान बरामद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, सफेद धातु की नौ पायल, 11 बिछिया और 14,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पयागपुर क्षेत्र में हाल ही में हुई एक चोरी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया है।

मौके पर पहुंचे एसपी, घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती मुठभेड़ की सूचना पर पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है और उसके विरुद्ध विभिन्न थानों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में बरामद सामान और पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं के संबंध में आगे की जांच एवं विधिक कार्रवाई कर रही है।

अब खुद दर्ज करें अपनी जानकारी ! महाराजा अग्रसेन कॉलेज में स्वगणना 2027 पर विशेष पाठशाला

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज़ हो गई हैं, और इस बार सबसे बड़ा फोकस है स्वगणना यानी Self-Enumeration पर। इसी कड़ी में बरेली के महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए एक खास संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा अधिकारी प्रो. आर. के. गोस्वामी, नोडल अधिकारी प्रो. सुशील कुमार और सह-नोडल अधिकारी प्रो. कामरान खान समेत कई विशेषज्ञों ने शिरकत की। विशेषज्ञों ने छात्रों को समझाया कि कैसे सटीक आंकड़े देश के आर्थिक और सामाजिक विकास की नींव रखते हैं, और दूसरे चरण में स्वगणना की प्रक्रिया को कैसे पूरा करना है। वहीं, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने युवाओं से अपील की कि वे खुद जागरूक होकर अपने परिवार और समाज को भी इस डिजिटल अभियान से जोड़ें। कार्यक्रम में कॉलेज का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

महाराज सिंह इंटर कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित

बहराइच।(अमरीक सिंह) बहराइच, लोकतंत्र को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को महाराज सिंह इंटर कॉलेज में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पहुंचकर प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के महत्व और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य भी है। उन्होंने प्रपत्र-6, 7 और 8 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनका उपयोग नए मतदाता का नाम जुड़वाने, नाम हटवाने और मतदाता सूची में दर्ज विवरण में संशोधन कराने के लिए किया जाता है। डीएम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जा रहा है। इसके तहत 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। जो युवा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे प्रारूप-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित बूथ लेवल अधिकारी या निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में आवेदन जमा किया जा सकता है। इसके अलावा ईसीआईनेट मोबाइल ऐप और निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक मतदाता बनें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। डीएम ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसका हिस्सा होना देश के युवाओं के लिए गर्व की बात है। युवाओं को चुनावी जागरूकता का दूत बनकर समाज में नैतिक और जिम्मेदार मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहिए। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि जनपद के सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी इंटर कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों तथा माध्यमिक विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) और चुनाव पाठशाला के माध्यम से नए मतदाताओं का पंजीकरण कराया जाए। शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर अधिक से अधिक पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया जाए। उन्होंने वोटर हेल्पलाइन ऐप और मतदाता सेवा पोर्टल का प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए, ताकि नागरिक घर बैठे अपने नाम की मतदाता सूची में जांच कर सकें और नए पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकें। कार्यक्रम के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार, विद्यालय प्रबंधक श्यामकरण टेकड़ीवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद तथा प्रधानाचार्य संतोष चंद्र शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने विद्यार्थियों को मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया।

नहाए खाए के साथ हुआ छठ पर्व का शुभारंभ

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । छठ पर्व का शुभारंभ नहाए खाए के साथ हो गया। शुक्रवार की सवेरे गान्ति सिंह, पूजा, ममता आदि ने स्नान के उपरांत नए वस्त्र धारण कर छठ माई की विशेष पूजा अर्चना की जिसमें अल्पना, नंदिनी, अंशिका, सिया, रामवृक्ष अमृत, माधव भी शामिल हुए। इस अवसर पर छठ माई का मंदिर सजाया गया जिसमें लड्डू गोपाल, बजरंगबली, शंकर पार्वती, लक्ष्मी गणेश, श्री रामचंद्र जी भी नही विराजमान है। विशेष पूजा अर्चना की और भगवान को भोग समर्पित करके खाया गया। शनिवार को खरना होगा। छठ पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।



जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: जिलाधिकारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच।(अमरीक सिंह) जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार देर शाम विकास भवन सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न गांवों में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और उन्हें निर्धारित समय में पूरा कराने को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि हर घर नल से जल योजना के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पाइपलाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) देने और ओवरहेड टैंक निर्माण के कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए।

सड़कों की मरम्मत को लेकर जिलाधिकारी ने विशेष नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत का कार्य मानकों के अनुसार जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, जिससे आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने भूमि विवाद और बिजली कनेक्शन से जुड़ी समस्याओं का संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर शीघ्र निस्तारण कराने को भी कहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि पेयजल आपूर्ति से संबंधित जनशिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। अधिकारी नियमित रूप से गांवों में पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और गुणवत्ता की जांच करें। साथ ही शासन को समय-समय पर कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित करें।

बैठक में जल सारथी ऐप के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जनसामान्य और संबंधित कर्मचारियों को इस ऐप के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग कर सकें।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने सभी अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। गांवों में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यों में लापरवाही या शिथिलता बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, जल निगम (ग्रामीण) एवं विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, टीपीआई टीम, डीपीएमयू के जिला समन्वयक, जीआईएस, सीबीटी एवं एमआईएस विशेषज्ञ तथा संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर मौजूद रहे।

If you're a film buff, you should definitely visit Hyderabad's Ramoji Film City; every corner is special.

Hyderabad's Ramoji Film City is a magical experience in itself. There are many places here that allow you to see the world of cinema up close. Let's embark on a journey through this magical world in this article. Ramoji Film City offers a truly immersive experience of the "Baahubali" set. Magnificent replicas of the Hawa Mahal, Taj Mahal, and Golden Temple are also present. The festive carnival and cinematic scenes were captivating. Everyone will remember the Mahishmati kingdom from the film Baahubali. The grandeur of this place was truly special, making everyone want to visit it at least once. Everyone longs to experience the colorful world seen on the cinema screen up close. My wish was fulfilled when I got the opportunity to visit Ramoji Film City, the world's largest film city in Hyderabad. During this time, I not only got the opportunity to see the locations depicted in the films up close, but also to be a part of the special 'Festive Carnival'. The atmosphere filled with greenery and flowers—my experience arriving here was like a dream. As I stepped into this sprawling complex, surrounded by the fresh morning sun, I was greeted by lush greenery and colorful flowers. It felt as if the most beautiful opening scene from a film had come alive before my eyes. Our tourist guide, Indrani, made this exciting journey even more special. Indrani had so many interesting stories and information about this place that every turn revealed a new aspect of cinema. During the journey, when our bus passed by an exact replica of the Hawa Mahal, for a moment it felt like I was standing in the streets of Jaipur, not Hyderabad. The craftsmanship was so similar that it was difficult to distinguish between the camera and the eyes. Karishma Garden was amazing - Indrani then took us to Karishma Garden, and I was amazed by its uniqueness. This is no ordinary garden; flowers are specially grown here to match the actresses' dresses! Imagine the level of detail that goes into a perfect film shot— where even the colors of nature are blended with the characters' costumes. Moving on, I saw magnificent replicas of the Taj Mahal and the Golden Temple. Seeing so much of India's diverse and historic heritage under one roof was nothing short of amazing. This place is truly a "Land of Experiences," not just a place to visit but a world in itself, filled with entertainment and cinematic scenes. The excitement of my trip increased further when I saw the Baahubali set up close, and then, in the next moment, reached a realistic Central Jail, where many famous Bollywood films have been shot. The grandeur of Ramoji Film City is not limited to its sets. Technically, it's second to none. Experiencing the world's finest sound system was a thrill. Furthermore, it was heartening to see that the management is constantly working on new technologies to make this entire film city "future-ready," so that this confluence of cinema and tourism continues to dazzle visitors in the future. As the evening drew to a close, as the festive carnival lights flickered, music blared, and artists began their performances, I realized that Ramoji Film City isn't just a brick-and-mortar studio. It's a treasure trove of dreams, creativity, and memories, leaving you with not just a multitude of photographs but countless experiences to cherish for a lifetime.



Ragi is a traditional formula for bone health; a tiny grain contains a huge amount of calcium.

Ragi is a superfood that helps combat bone weakness and calcium deficiency. In today's fast-paced lives, bone weakness, joint pain, and calcium deficiency are becoming common problems. Therefore, adopting a natural and nutritious diet becomes crucial. Ragi (mandua) is a superfood that not only provides energy to the body but also plays an important role in maintaining calcium levels over time. What is Ragi? - Ragi is a millet, especially consumed in the southern and hilly regions of India. It is rich in calcium, iron, fiber, and amino acids. It has the highest calcium content compared to other grains. How does Ragi maintain calcium levels? Ragi helps maintain calcium levels in the body in several ways: High Calcium Source - Ragi contains approximately 344–364 mg of calcium per 100 grams, which is more than milk. Regular consumption provides the body with adequate calcium. Better Absorption - The amino acids and vitamins present in ragi enhance calcium absorption, allowing the body to utilize calcium more easily. Strengthens Bones - The calcium and phosphorus present in ragi together maintain bone density, reducing the risk of problems like osteoporosis. Beneficial for Children and Women - Ragi is very beneficial for growing children, pregnant women, and the elderly, as these conditions require increased calcium. Helps in Hormone Balance - Ragi helps maintain hormonal balance in the body, thereby maintaining calcium balance for a long time. Reduces Acidity - Ragi is alkaline in nature, which reduces acidity in the body and prevents calcium loss. Long-term effects: Regular consumption of ragi helps replenish calcium in the body and maintains its balance over time. How to include ragi in your diet? You can include ragi in your diet in the form of porridge, roti, idli, dosa, kheer, or laddu.



Instead of carrots or mung beans, make 'Akharot ka Halwa' this winter; it's not only delicious but also a treasure trove of health.

Akharot ka Halwa is a great Indian winter dessert, not only delicious but also extremely beneficial for health and skin. With the arrival of cold weather, our bodies need something to keep us warm from within. Additionally, taking care of our skin and health becomes a major task during winter. In such a situation, 'Akharot ka Halwa' is the perfect Indian dessert. It not only tastes amazing but also has amazing effects on keeping you healthy and beautiful. Why is Walnut Halwa the 'super dessert' of winter? We all know walnuts as 'brain food,' but did you know that they are also extremely beneficial for your brain, skin, hair, and immunity? Walnuts are rich in omega-3 fatty acids, antioxidants, proteins, and minerals. This halwa, made with pure ghee and milk, helps ward off winter dryness and imparts a natural glow to the face. Furthermore, it provides instant energy, strength, and resistance to cold weather, and also relieves joint pain and fatigue. Ingredients for Halwa: To make this delicious and nutritious halwa, you'll need the following: Walnuts: 1.5 cups (soaked overnight and peeled) Full-cream milk: 3 cups Desi ghee: 5 to 7 tablespoons Jaggery or sugar: 1 cup (according to your taste) Cardamom powder: 1/ 2 teaspoon Saffron: 8 to 10 strands (optional) Garnish: Chopped dry fruits (almonds and cashews) How to make this healthy walnut halwa? First, peel the walnuts soaked overnight. Then, grind them coarsely in a mixer. Keep in mind, don't make a fine, smooth paste; leave a little texture. Now, place a heavy-bottomed pan on the stove and heat pure ghee in it. Once the ghee is hot, add the ground walnuts and fry them over low heat, stirring constantly. When the mixture turns light golden and a pleasant aroma emanates, the walnuts are ready. Now, slowly add milk to this mixture, stirring constantly to prevent lumps. Let it cook over medium heat. When the milk thickens slightly, add jaggery or sugar as desired. Using jaggery during the winter season makes this halwa even more beneficial and healthy. Finally, add cardamom powder and saffron, and mix well. Cook until the halwa begins to leave the sides of the pan. Turn off the stove and garnish with chopped cashews and almonds. Here are 5 amazing benefits of eating walnut halwa: It keeps the body warm from within during the cold season. It maintains skin moisture and brings a natural glow to the face. It strengthens our immunity to fight illnesses. It is also beneficial for our brain and heart health. It provides instant energy, warding off weakness and fatigue that can occur during winter.



Innocence is lost in the pursuit of profits. Why are makers shying away from making films about children?

Many films are produced in Hindi cinema each year, but only a handful are made for children. Why, despite films like Taare Zameen Par and Chillar Party, do makers still not make children's films? Read the details. There's a severe shortage of children's films in Indian cinema. Producers shy away from investing in this genre due to profit concerns. Films like "Boong" gained international recognition. Childhood personalities. Cinema also plays a crucial role in this, few and far between. Producers, caught up in the The question arises: when all kinds of content is experiences, emotions, and dreams? An article international success: "I want to surprise my mother Manipuri film "Boong" is an attempt to understand Indian cinema international recognition, winning the Awards (BAFTA). It is the first Indian film to win a around a child named Boong, who lives in a small father. This journey is not just about finding his father, identity, and society. However, it did not achieve



is a period in life when stories shape our thoughts, dreams, and but in the Indian film industry, films that portray the world of children are mathematics of market and profit, shy away from investing in this genre. available for children, why is there so little cinema that reflects their own exploring this on Children's Day: A children's story has achieved with a very special gift." This line from Boong (Gugu Kipgen) in the his mother's pain and alleviate her sadness. This emotional story earned Best Children's and Family Film award at the 2026 British Academy Film BAFTA in this category. Directed by Laxmipriya Devi, the film revolves town in Manipur. He sets out with his friend in search of his long-lost but also about understanding the complex realities of life, relationships, widespread commercial success. Not just 'Boong', most of the films made for children in the country also have to struggle to reach the audience and get enough space in theatres. The children's genre never became popular. Filmmaker Manish Saini, who won the National Film Award for the Gujarati film 'Dha', has also made children's films like 'Gandhi & Company' and 'The Great Grand Superhero'. Explaining the reasons for the low production of children's films, he says, "What sells is what gets made. This genre has never become popular, and there are a few reasons for this. I've made three children's films. It's difficult to get parents to accompany their children to theaters and inform them that a film is available for them. Secondly, children's films are considered somewhat inferior in India. Third, when films of a certain genre are successful, there's a competition to make similar films. This hasn't been the case with children's films. In the Hindi film industry, decisions about films are often made based on profit potential. I'm told upfront that it won't work because it's a children's film. Meanwhile, the popularity of Hollywood films like Avengers and Disney films shows how large the children's audience can be. The filmmaker further added, "The biggest problem with children's films here is their marketing and the lack of proper space in theaters." However, films like "Taare Zameen Par" and "Chillar Party" have proven that children's stories can appeal to audiences of all ages. Iranian cinema, considered one of the world's finest, has produced many acclaimed films based on children. Films like Majid Majidi's "Children of Heaven," "The Color of Paradise," and Abbas Kiarostami's "Where Is the Friend's House?" are examples of this. However, despite the difficulties, I am currently writing another children's film. The story revolves around a child who isn't good at studies or any other activity. He wants to win a prize in a competition and show his parents that he too has special talents. Films have a profound impact on children's thinking. Meanwhile, writer and director Vivek Anchaliya, who received praise for his film "Tikadam," says that cinema has a profound impact on children's thinking and personality. In "Karate Kid," a child goes through many situations and learns from them. I explained the same thing to my nine-year-old son: this child had talent, but he worked hard for it. We can teach children valuable lessons through such films. When we were growing up, especially in the 1990s, many films were made that reflected ideals and values, but today's children see Western values ??in films. In fact, they have fewer options to watch films reflecting Indian culture. They are growing up watching mostly American films. Over the past 50-60 years, American cinema has effectively projected America's image and lifestyle worldwide through its films. Their films often portray America as a country that solves problems. When children watch such films repeatedly, they develop a similar image. Today, the American lifestyle has such an influence on our generation that many want to go to America. One reason for this is its cinema, which showcases its strengths. On the other hand, our children need to watch films about their own country. Children don't get the opportunity to learn about our stories, cultural values, lifestyle, history, and traditions. Therefore, it's crucial to create good films based on Indian stories for children. While there are hesitations about investing in children's stories, Kaushal Ojha, director of the film Little Thomas, also believes that the children's film genre doesn't receive adequate support. He says it's not that filmmakers don't want to make such films. Many good children's films have been made in regional languages, which have also done well. However, producers in the Hindi film industry are hesitant to invest in such stories. Due to the increased budget and financial risk, they often don't approve such films. As for distribution, Hollywood children's films are released in India almost every other week. This clearly shows that both the audience and the distribution system for these films exist. The only need is to recognize this opportunity and consistently produce such films. Just one or two films won't change the atmosphere. Five or six films should be released in a row so that audiences develop a habit of watching them. Regarding rules like a morning show for children's films and limiting ticket prices, he says that success isn't achieved simply by making something mandatory. A cultural environment and system must be created in which children's films find a natural place. A morning show for children could be considered in cinemas.

"Mother of a beef eater..." Ramayanam actress Indira Krishnan received taunts? She played Ranbir's mother, Kaushalya.

Indira Krishnan, who played Shri Ram's mother, Kaushalya, in the film Ramayanam, revealed that she received messages about Ranbir's old beef video. Did Indira Krishnan receive taunts for playing Ranbir's mother? Ranbir went about old beef video. Ramayanam, released in records. However, during the film's production, and questions were raised about its casting, Ranbir Kapoor portraying Shri Ram on screen broke, to an old video of the actor eating non-vegetarian played the role of Kaushalya, mother of Ranbir told what kind of messages she was getting about People sent such messages to Indira Krishnan - While Indira Krishnan remembered the moment when of Ranbir Kapoor in the role of Shri Ram. Indira 'So you're going to play the mother of a beef eater?' with Ranbir's casting as Ram. His old interviews Ranbir handled trolls, Indira Krishnan added, verbally. He would come to the set quietly and give



vegetarian for Ramayanam - Actress receives messages theaters on November 5th, may be breaking box office as short clips of it went viral on the internet, numerous technicalities, and creativity. Especially when news of there was considerable public outrage. This was due food. Now recently, actress Indira Krishnan, who Kapoor who played the role of Shri Ram in the film, Ranbir Kapoor before the release of Ramayanam. talking to News 18 about the success of Ramayanam, people were completely disappointed with the casting Krishnan said, "I remember a lot of people texting me, There was a lot going on at the time. People were upset about eating beef started going viral." Praising the way "Ranbir was trolled so badly, but he never reacted his 200%. I think some of these trolls were paid, who didn't want Ramayanam to succeed." Did Ranbir Kapoor give up non-veg for Ramayan? Indira Krishnan shared her experience of working with Ranbir Kapoor and how he completely gave up non-veg and became a vegetarian to play Shri Ram. The actress said, "He became a complete vegetarian during this entire process because I saw him eating only fruits on set. He would wake up in the morning and work out for three hours and devote the same number of hours in the evening. He had a routine. I used to be with him on the sets almost daily. Even his vanity van would have only fruits. He was on his way to completely transform into Shri Ram for Ramayanam." Ramayanam is making waves at the box office - Ramayanam has been released in theatres just a week ago and within a few days, Nitesh Tiwari's mythological film has collected a net of Rs 511 crore at the domestic box office and earned Rs 934 crore worldwide.

The magician of romance, Imtiaz Ali, returns with a release date for the web series "O Saathi Re." When will it hit the OTT platform?

After "Main Wapsi Aaunga," director Imtiaz Ali is returning with a romantic story. The release date for his upcoming series, "O Saathi Re," has been revealed. Read the details on when and where you can watch the series. Imtiaz Ali's "O Saathi Re" has received a release date. The film will hit the OTT platform on this date - a unique romantic story after "Main Wapsi Aaunga." Imtiaz Ali always brings something that touches the hearts of the audience. His last release, "Main Wapsi Aaunga," received immense love from audiences. Now, Aditi Rao Hydari and Arjun Rampal starrer "O Saathi Re," a romantic web series, is returning. After a long wait, the release date for Imtiaz Ali's upcoming series, "O Saathi Re," has been revealed. Read the details on which OTT platform this romantic series will be released. 'O Saathi Re' to release on OTT platform by December - Netflix shared the poster of Imtiaz Ali's production O Saathi Re and informed that this web series will release on the biggest OTT platform on December 4. Along with the poster of the romantic series, the makers wrote in the caption, "O Saathi Re, the love story of a separated couple. This series will release on Netflix next month." While Arif Ali is directing O Saathi Re, Imtiaz Ali has taken the responsibility of its story and production on his shoulders. The series stars Aditi Rao Hydari and Arjun Rampal, along with Avinash Tiwari. A blend of old-school and modern love stories, Imtiaz Ali said, "O Saathi Re has an old-school feel, but it's a modern love story. Sometimes love surprises you when it strikes in unexpected places. The series tells the story of a love blossoming between a couple about to divorce. Love is a beating heart, it's beautiful, but sometimes the relationship isn't equal for both. The director added, "Being the perfect match can sometimes become a burden. That's what we explore in O Saathi Re. While love is about yearning, dreams, and togetherness, sometimes, for the sake of that love, you have to let go." All its characters will seem real to you because we have chosen the best actors." Fans got excited on social media - You can get an idea of ??how happy the fans are after getting the information about the release date of O Saathi Re from their comments. One user wrote, "The pairing of Avinash Tiwari and Imtiaz Ali is enough to tell me why I have to watch this series." Another user wrote, "Oh my God what a wonderful star cast." Another user wrote, "I saw the name of Imtiaz Ali and I was ready to watch this series.